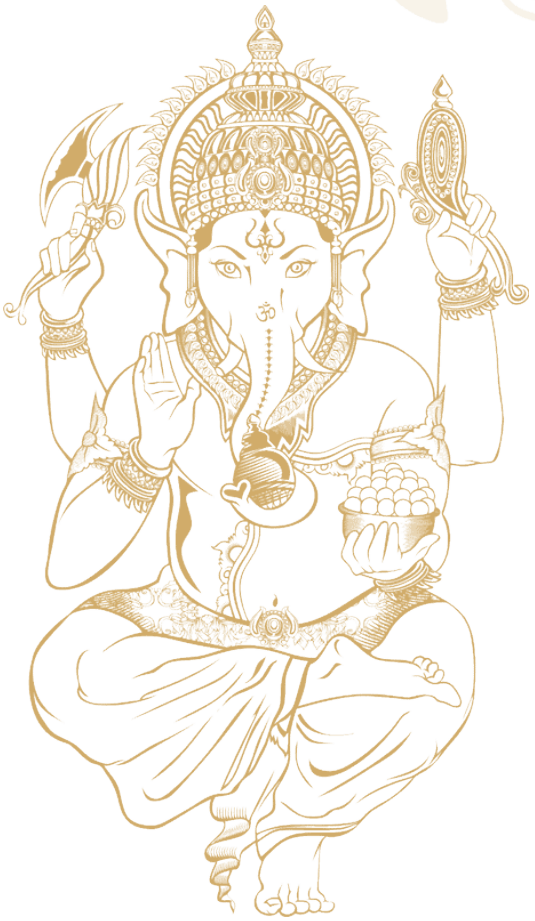

K

15 Jun 1994

10:34 AM

Hamirpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121455006

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/06/1994**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**10:34:00 घंटे**
इष्ट	13:09:34 घटी
स्थान	**Hamirpur**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:38:00 उत्तर
रेखांश	76:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:10:24 घंटे
वेलान्तर	-00:00:21 घंटे
साम्पातिक काल	03:43:25 घंटे
सूर्योदय	05:18:10 घंटे
सूर्यास्त	19:29:53 घंटे
दिनमान	14:11:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	00:06:10 मिथुन
लग्न के अंश	07:01:13 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वज्र
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	07:01:13	305:32:04	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	---
सूर्य			मिथु	00:06:10	00:57:19	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	सम राशि
चंद्र			सिंह	09:28:00	13:29:04	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल			मेष	22:43:18	00:43:49	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध	व		मिथु	14:24:09	00:10:50	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	स्वराशि
गुरु	व		तुला	11:24:44	00:03:01	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	06:06:11	01:10:30	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
शनि			कुंभ	18:34:05	00:00:47	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	29:37:00	00:02:23	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	29:37:00	00:02:23	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	01:46:30	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप	व		धनु	28:55:59	00:01:22	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	02:09:45	00:01:25	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			वृष	04:19:42	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:00

लग्न-चलित

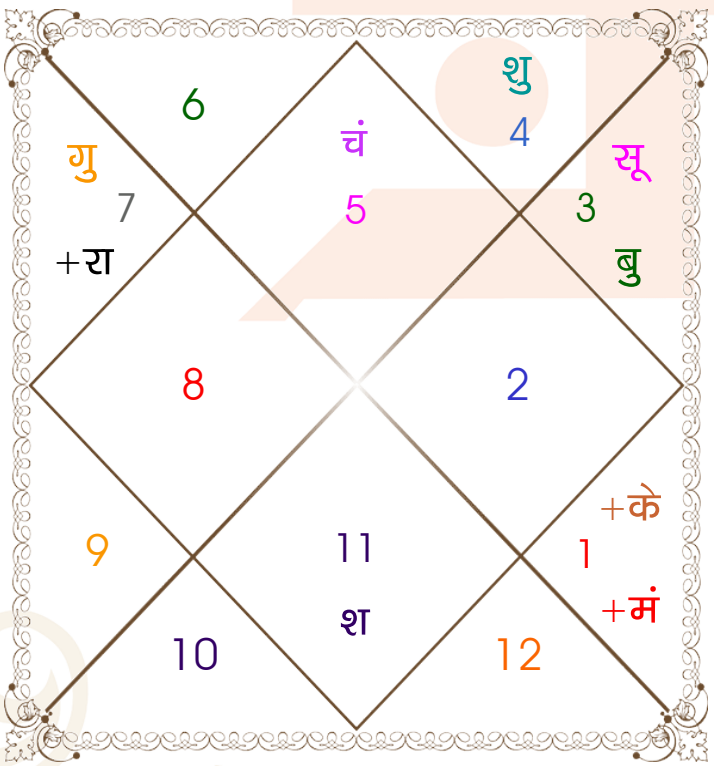

चन्द्र कुंडली

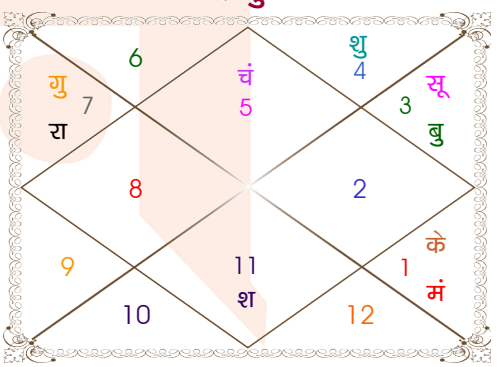

नवमांश कुंडली

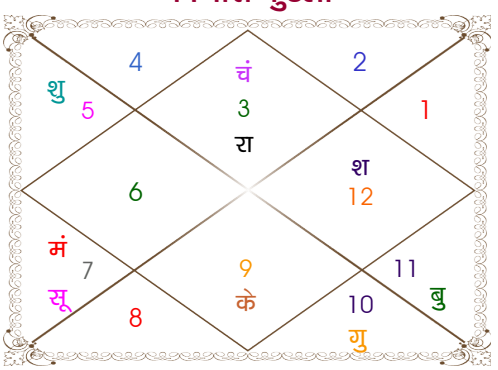

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 0 मास 10 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/06/1994		25/06/1996		25/06/2016		26/06/2022		25/06/2032	
25/06/1996		25/06/2016		26/06/2022		25/06/2032		26/06/2039	
	00/00/0000	शुक्र	26/10/1999	सूर्य	13/10/2016	चंद्र	26/04/2023	मंगल	22/11/2032
	00/00/0000	सूर्य	25/10/2000	चंद्र	14/04/2017	मंगल	25/11/2023	राहु	10/12/2033
	00/00/0000	चंद्र	26/06/2002	मंगल	19/08/2017	राहु	26/05/2025	गुरु	16/11/2034
	00/00/0000	मंगल	26/08/2003	राहु	14/07/2018	गुरु	25/09/2026	शनि	26/12/2035
	00/00/0000	राहु	26/08/2006	गुरु	02/05/2019	शनि	25/04/2028	बुध	22/12/2036
	00/00/0000	गुरु	26/04/2009	शनि	13/04/2020	बुध	25/09/2029	केतु	20/05/2037
	15/06/1994	शनि	25/06/2012	बुध	18/02/2021	केतु	26/04/2030	शुक्र	20/07/2038
शनि	29/06/1995	बुध	26/04/2015	केतु	26/06/2021	शुक्र	26/12/2031	सूर्य	25/11/2038
बुध	25/06/1996	केतु	25/06/2016	शुक्र	26/06/2022	सूर्य	25/06/2032	चंद्र	26/06/2039

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/06/2039		26/06/2057		26/06/2073		25/06/2092		27/06/2109	
26/06/2057		26/06/2073		25/06/2092		27/06/2109		00/00/0000	
राहु	08/03/2042	गुरु	14/08/2059	शनि	28/06/2076	बुध	22/11/2094	केतु	23/11/2109
गुरु	01/08/2044	शनि	24/02/2062	बुध	09/03/2079	केतु	19/11/2095	शुक्र	23/01/2111
शनि	08/06/2047	बुध	01/06/2064	केतु	16/04/2080	शुक्र	19/09/2098	सूर्य	31/05/2111
बुध	25/12/2049	केतु	08/05/2065	शुक्र	17/06/2083	सूर्य	27/07/2099	चंद्र	30/12/2111
केतु	13/01/2051	शुक्र	07/01/2068	सूर्य	29/05/2084	चंद्र	26/12/2100	मंगल	27/05/2112
शुक्र	13/01/2054	सूर्य	25/10/2068	चंद्र	28/12/2085	मंगल	23/12/2101	राहु	14/06/2113
सूर्य	07/12/2054	चंद्र	24/02/2070	मंगल	06/02/2087	राहु	12/07/2104	गुरु	21/05/2114
चंद्र	07/06/2056	मंगल	31/01/2071	राहु	13/12/2089	गुरु	17/10/2106	शनि	16/06/2114
मंगल	26/06/2057	राहु	26/06/2073	गुरु	25/06/2092	शनि	27/06/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 0 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।